



申江编

谜语大全

续集

277.8 / 12

谜语大全

(续集)

申江编

湖南文艺出版社

22764 (早)gninroM bood

“文”

“文”

文宋成半周文甲——周周

等周，(文周)

(文周)文白成

周周“文周”

“文”

还长家幸本——还本

本”成周新，幸

“幸”

成意，文周幸——芬芬

意文周幸芬，芬

芬”成周新，即成

“即芬”

蒙成文周)幸天——山天

蒙成蒙天(幸天

山出蒙，门首天

天”成周新，幸

“山天”

谜语大全

(续集)

申江编

责任编辑：李恕基

湖南文艺出版社出版

(长沙市银盆南路67号)

湖南省新华书店经销 湖南望城湘江印刷厂印刷

1986年2月第1版 1991年3月第4次印刷

开本：787×1092 1/32 印张：8 插页：1 字数：163,000

印数：68,101—99,100

ISBN 7—5404—0195—8

J·46 定价：2.65元

前 言

《谜语大全》出版发行后，不少同志希望出版续集。为了满足广大谜语爱好者的要求，我经过两年时间的搜集、整理、加工，编出了这本《谜语大全》续集。

《谜语大全》续集所收的谜语数量，与正集大致相等，计三千条以上。在内容方面，增加了正集所缺少的一些品种。续集的分类，与正集差不多，这是为了保持全书体例的一贯性。正集中的人体、自然、工交、农业、军事等部分，新谜条不多，故不再单列，归并到其他部分中去了。这次增设的新类目，计有词语、歇后语谜、影剧名、诗词、古文、填空谜、画谜、谜语故事、趣味谜等。在正集中分别编入各类的带谜格的谜语，这次也单列为一类。这样，续集的谜语共分二十五类，比正集增加了五类。我希望通过这样的调整，使续集在内容和分类上比正集更“全”一些。

续集收入的谜语，一部分选自各地出版的报纸杂志，一部分选自各种谜书，一部分则是我自己制作的。在此，谨向被收入本书的谜语的搜集者和制作者表示谢意！

在续集编辑过程中，王洪斌同志和陆克勤同志不仅给予热情支持，而且寄来了自己搜集的谜语资料供我参考，表现了谜语爱好者之间的友好情谊。雷刚同志在百忙中为我审阅了部分

书稿，提出了不少宝贵意见。湖南人民出版社的同志为续集的编辑出版提供了许多方便条件。在此，我谨向这些同志表示衷心的感谢！

《谜语大全》续集的出版，使这部谜语选集向“大全”的方向又前进了一步。但是，由于我国谜语多得不可胜数，近几年来群众新创制的谜语也越来越多，所以，尽管我作了一定的努力，收入本书的谜语数量和质量都是很不够的，离真正的“大全”仍有很大距离。现在称之为“大全”，也还是相对而言。对于本书中存在的缺点错误，亟盼读者不吝指正，我将在今后加以修订改正，俾使本书在各方面逐步完善起来。

申 江

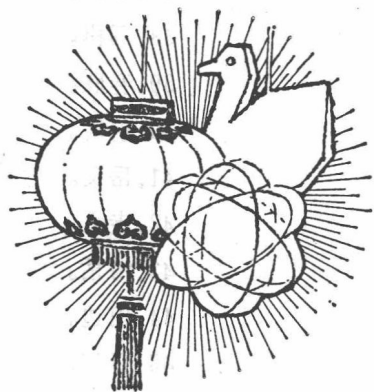
一九八三年五月于北京

目 录

字	谜	(508则)	(1)
成	语	(457则)	(17)
词	语	(144则)	(29)
歇后语	谜	(45则)	(35)
人	名	(200则)	(37)
书	刊	名 (140则)	(45)
影	剧	名 (290则)	(51)
古	文	(56则)	(59)
诗	词	(100则)	(63)
中	国	地 理 (125则)	(67)
外	国	地 理 (35则)	(75)
动	物	(60则)	(77)
植	物	(112则)	(83)
中	药	名 (74则)	(91)

常 用 物	(67 则)	(95)
文 体	(35 则)	(101)
科 技	(122 则)	(105)
艺 术	(85 则)	(111)
射 覆 谜	(38 则)	(115)
画 谜	(10 则)	(123)
填 空 谜	(41 则)	(129)
谜 语 故 事	(15 则)	(143)
趣 味 谜	(100 则)	(151)
带 格 谜	(170 则)	(157)
综 合	(40 则)	(167)
谜 底		(173)

— 字 谜 —



(以下各打字一)

1. 日。
2. 目。
3. 灰。
4. 众。
5. 另。
6. 思。
7. 屋。
8. 潜。
9. 蝗。
10. 鞘。
11. 大厦。
12. 水库。
13. 丰收。
14. 丹朱。
15. 丹江。
16. 干涉。
17. 西施。
18. 东施。
19. 书签。
20. 血盆。
21. 早上。
22. 利川。
23. 和局。

24. 泥峰。
25. 祝福。
26. 烟缸。
27. 晚会。
28. 瑞士。
29. 粮食。
30. 假名。
31. 航道。
32. 前哨。
33. 渔民。
34. 内因。
35. 默算。
36. 默读。
37. 松涛。
38. 围棋。
39. 春联。
40. 射箭。
41. 岳父。
42. 走之。
43. 海枯。
44. 田边。
45. 竖杆。
46. 二角。
47. 圣旨。

48. 换哨。
49. 找泉。
50. 干沙。
51. 几点。
52. 枯泉。
53. 乌狗。
54. 次子。
55. 老友。
56. 接客。
57. 自己。
58. 登陆。
59. 地表。
60. 朝阳。
61. 贤妇。
62. 塞听。
63. 和尚。
64. 独生子。
65. 一会儿。
66. 老太太。
67. 一点水。
68. 二月平。
69. 两万里。
70. 三叉口。
71. 十加十。
72. 小猪崽。
73. 十二月。
74. 早天雷。
75. 热处理。
76. 不要走。
77. 半导体。
78. 关帝庙。
79. 好读书。
80. 雁双飞。
81. 单人床。
82. 神农架。
83. 抽水泵。
84. 画中人。
85. 绊脚石。
86. 高尔基。
87. 他也去。
88. 不是我。
89. 鸟少点。
90. 庄稼汉。
91. 驱蛔虫。
92. 讨服装。
93. 剩十升。
94. 第四面。
95. 长明灯。

96. 灯笼罩。
97. 力不足。
98. 宁波话。
99. 苏州话。
100. 成都话。
101. 羊离群。
102. 位置差。
103. 逃走了。
104. 一乘一。
105. 谈妥了。
106. 六除二。
107. 高个子。
108. 语言美。
109. 邮递者。
110. 霜雪斗艳。
111. 民间疗法。
112. 指东话西。
113. 集中一点。
114. 横扫群魔。
115. 分崩离析。
116. 半朋半友。
117. 有功有赏。
118. 调整经济。
119. 由上转下。
120. 黍稷盈畴。
121. 公而无私。
122. 层峦叠翠。
123. 雨下植树。
124. 说话不停。
125. 享乐在后。
126. 路旁种树。
127. 捐弃前嫌。
128. 此路不通。
129. 酒不沾边。
130. 两点半钟。
131. 负隅顽抗。
132. 先斩后奏。
133. 如愿以偿。
134. 步调一致。
135. 良药苦口。
136. 春末夏初。
137. 冬初秋末。
138. 包头界首。
139. 古文观止。
140. 争先恐后。
141. 百无一是一。
142. 不知西东。
143. 上下一体。

144. 二中全会。
145. 村里安身。
146. 推开又来。
147. 握手言别。
148. 上下机动。
149. 先先后后。
150. 江东二乔。
151. 衣帽相连。
152. 九曲长流。
153. 坐井观天。
154. 绣花枕头。
155. 《茶馆》作者。
156. 有说有唱。
157. 连声谢绝。
158. 临时协议。
159. 孟姜心愿。
160. 荆轲出使。
161. 小心翼翼。
162. 七百除一。
163. 减二得四。
164. 并无两点。
165. 自我介绍。
166. 一昼一夜。
167. 左右换防。
168. 两个半月。
169. 白玉无瑕。
170. 白璧无瑕。
171. 转业到厂。
172. 劲头不足。
173. 愧不用心。
174. 烟中无火。
175. 打手出界。
176. 独具匠心。
177. 欲诉无言。
178. 伯乐所相。
179. 无头奇案。
180. 海流无水。
181. 偏听偏信。
182. 可上可下。
183. 夜观天象。
184. 讳疾忌医。
185. 蚕的功能。
186. 不对不对。
187. 摄影入门。
188. 大有可为。
189. 林海无边。
190. 夫妻“八助”。
191. 毛遂自荐。

192. 拥挤不堪。
193. 九星联珠。
194. 春节未到。
195. 望文释义。
196. 气吞山河。
197. 解闷散心。
198. 拂晓有雨。
199. 甘心转化。
200. 心怀宝岛。
201. 庄里庄外。
202. 妇人戴帽。
203. 古字演变。
204. 先予后取。
205. 一举而成。
206. 又进一球。
207. 三山颠倒。
208. 上上下下。
209. 月落鸟啼。
210. 前前后后。
211. 加加减减。
212. 公字当头。
213. 断断续续。
214. 四化前程。
215. 垫上运动。
216. 单人拦网。
217. 双杠登山。
218. 闲话养猪。
219. 双方插云。
220. 画兔点睛。
221. 南天一柱。
222. 毫不利己。
223. 礼貌待人。
224. 接济朋友。
225. 熙熙攘攘。
226. 莫赞自己。
227. 沐猴而冠。
228. 双方用力。
229. 一生当园丁。
230. 一个有心人。
231. 一二三五六。
232. 一人三分地。
233. 一点盘山道。
234. 一去就挂帅。
235. 一来就不好。
236. 一寸少一点。
237. 人在阳光下。
238. 人残心不残。
239. 人须走边道。

240. 出言带“请”字。
241. 约我至田家。
242. 江水纵横流。
243. 连山到海隅。
244. 太少了点了。
245. 千古一扁舟。
246. 倒数是十一。
247. 春风吹又生。
248. 前程更美好。
249. 明天日全食。
250. 弹琴复长啸。
251. 桃李满天下。
252. 铸成千古恨。
253. 向左一直去。
254. 弓箭未上弦。
255. 锄禾日当午。
256. 河依宝塔山。
257. 实现大统一。
258. 个个不落后。
259. 傍晚的太阳。
260. 国庆迎朝阳。
261. 寸草沐春晖。
262. 骨肉兄弟情。
263. 佳节又重阳。
264. 宿鸟恋本枝。
265. 日月一齐来。
266. 进水行不成。
267. 双人走钢丝。
268. 每户种上花。
269. 言行必一致。
270. 积水而为海。
271. 迷信害死人。
272. 香山一日游。
273. 太阳系研究。
274. 二直又二直。
275. 比二多一半。
276. 四十八小时。
277. 饥者不得食。
278. 为我一挥手。
279. 日高花影重。
280. 古寺倚修竹。
281. 多一点就圆。
282. 要多多协作。
283. 掩耳厌喧哗。
284. 庄稼一片黄。
285. 月上也有地。
286. 一撇一直一点。
287. 一竖一边一点。

288. 三人匍匐前进。
289. 七十二家房客。
290. 后羿介绍经验。
291. 投资要有侧重。
292. 离周围一样远。
293. 此谜无人猜中。
294. 水大可以发电。
295. 两口儿同入京。
296. 竖子不足为谋。
297. 人在画堂深处。
298. 包公案上下集。
299. 左十八右十一。
300. 学后应知不足。
301. 要中间去下边。
302. 立春前雨水后。
303. 春节放假三天。
304. 姜一半葱一半。
305. 连日开展竞赛。
306. 笔帽不用套上。
307. 大压不正之风。
308. 春一半夏一半。
309. 神女峰的传说。
310. 一直持之以恒。
311. 不是门，却是门。
312. 旭日升，柳半垂。
313. 劳动去，莫停留。
314. 半学习，半观察。
315. 加把力，就成功。
316. 加三横，变三天。
317. 二横大，二横小。
318. 使左边，成右边。
319. 想生财，要聚才。
320. 一日之计在于晨。
321. 一半勾留是此湖。
322. 一钩残月带三星。
323. 一弯新月临窗前。
324. 一十一比一十一。
325. 心怀天下献丹心。
326. 二四六八十相加。
327. 心不着急边上走。
328. 三颗疏星映扁舟。
329. 二人同去一人归。
330. 四周山色隐画里。
331. 四方团结共一心。
332. 伍子胥兄弟争嘴。
333. 八一南昌迎朝阳。
334. 瀑布纵横挂前川。
335. 寸土深翻靠耕牛。

336. 关云长刮骨疗毒。
337. 流水已尽见顽石。
338. 点水蜻蜓款款飞。
339. 儿女相逢泪两行。
340. 抽刀断水水更流。
341. 正见夕阳海边落。
342. 织女鹊桥会牛郎。
343. 把一生献给后生。
344. 前前后后一颗心。
345. 塞北千里雁阵斜。
346. 海峡两边是一家。
347. 全力以赴方成功。
348. 为人立言勿浮夸。
349. 心有余而力不足。
350. 白头蓝底红全身。
351. 风雨空中雁阵斜。
352. 儿童一一入了队。
353. 除夕来日春日近。
354. 及早自立谱新篇。
355. 无人无牛不及犁。
356. 屋顶微露三山间。
357. 上一环接下一环。
358. 东边日出西边雨。
359. 靠边一点一直走。
360. 人面桃花相映红。
361. 春雨潇潇报平安。
362. 连峰去天不盈尺。
363. 车旁站着喜旺嫂。
364. 敢将十指夸针巧。
365. 河边砌圈养肥猪。
366. 大李小李和老李。
367. 山里处处猪满圈。
368. 除非减一就得零。
369. 陶冶己心向崇高。
370. 断桥垂露滴梧桐。
371. 两人隔江望断水。
372. 以行动代替语言。
373. 堤边添上丝丝柳。
374. 挖多少就大多少。
375. 树头雁阵入画中。
376. 门里梁下有鸟栖。
377. 秃笔画蛇错点睛。
378. 总有一天光明会来到。
379. 明日未来，
 昨日已去。
380. 一度满足，
 进步就慢。
381. 又聋又哑，

- 不闻不问。
382. 聚金成塔，
兴旺发达。
383. 由头到尾，
由上到下。
384. 洪泽湖畔，
碧波千顷。
385. 莫等来日，
虽晚未迟。
386. 枫林风光，
林木茂盛。
387. 斜月残灯，
半明半灭。
388. 又在左边，
又在右边。
389. 三个去尾，
一个去头。
390. 广阔天地，
大有作为。
391. 洞中有洞，
孔中有孔。
392. 连日下雨，
田地水足。
393. 加上一直，
- 减少一点。
394. 从上至下，
广为团结。
395. 有借有还，
再借不难。
396. 大河上下，
顿失滔滔。
397. 加劲劳动，
个个有份。
398. 互相扯皮，
必须制止。
399. 如苗得雨，
似花初开。
400. 写好宝盖，
联成文字。
401. 写是水少，
说是水多。
402. 双方协作，
内外结合。
403. 山上山下，
绿草茵茵。
404. 组织庞大，
机构臃肿。
405. 岚山风光，